सुविचार

"सफलता उन्हीं को मिलती है, जो अपने सपनों को मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ पूरा करने का संकल्प लेते हैं।"

तरंग

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल
का मासिक ई - न्यूज़लेटर

BABULAL GOUR GOVT. P.G. COLLEGE BHEL, BHOPAL
विद्या सवति विमुक्तये

tarangnews2024@gmail.com माह- सितम्बर 2026 अंक - 39 वां

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल , भोपाल

महाविद्यालय

इस अंक के आकर्षण

- प्रफुल्ल चंद्र राय जयंती के अवसर पर विशेष व्याख्यान
- राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती एवं विचार-काव्य गोष्ठी का आयोजन
- विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम
- 'हर घर तिरंगा' अभियान में महाविद्यालय की सक्रिय सहभागिता
- राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन
- स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम
- गोस्वामी तुलसीदास जयंती के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम
- श्रीमद्भगवद्गीता पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन
- आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय खेल दिवस का गरिमामय आयोजन
- सेवानिवृत्ति सम्मान एवं विदाई समारोह की स्मरणीय झलकियाँ

महाविद्यालय में प्रफुल्ल चंद्र राय जयंती पर विशेष व्याख्यान

दिनांक 03 अगस्त 2026 को इस महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में महान वैज्ञानिक, रसायनशास्त्री, शिक्षाविद् एवं राष्ट्रभक्त आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय वैज्ञानिक परंपरा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं वैज्ञानिकों के महत्वपूर्ण योगदान से परिचित कराना था। कार्यक्रम में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. नवीन मालवीय ने आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए उनके वैज्ञानिक अनुसंधान, भारतीय विज्ञान के विकास, स्वदेशी भावना एवं आत्मनिर्भरता के विचारों की जानकारी विद्यार्थियों को दी। उन्होंने बताया कि आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय ने विज्ञान एवं अनुसंधान के साथ-साथ युवा पीढ़ी में वैज्ञानिक चेतना विकसित करने तथा राष्ट्र के विकास में विज्ञान की भूमिका को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर “आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय का भारतीय विज्ञान और उद्योग में योगदान” विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बी.एससी. द्वितीय वर्ष की छात्रा कु. शारदा गजभिए ने प्रथम एवं कु. श्रुति कुशवाहा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने अध्यक्षीय उद्बोधन में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जीवन एवं कार्यों को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए वैज्ञानिक सोच विकसित करने, अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति रुचि बढ़ाने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के समृद्ध वैज्ञानिक पक्ष को समझने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी प्रो. समता जैन, IQAC समन्वयक प्रो. कीर्ति श्रीवास्तव, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के जीवन एवं वैज्ञानिक योगदान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्वदेशी चेतना, अनुसंधान की भावना, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं उद्देश्यपूर्ण रहा तथा विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक अनुभव सिद्ध हुआ। अंत में रसायन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना अग्रवाल ने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग प्रदान करने वाले समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती एवं विचार-काव्य गोष्ठी का आयोजन

दिनांक 03 अगस्त 2026 को इस महाविद्यालय के हिंदी विभाग एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती के उपलक्ष्य में विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा जादौन ने की। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं हिंदी साहित्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में राष्ट्रप्रेम, भारतीय संस्कृति, सामाजिक चेतना, मानवीय संवेदनाओं एवं नैतिक मूल्यों का प्रभावशाली चित्रण मिलता है। उनकी साहित्यिक रचनाएँ आज भी युवा पीढ़ी को राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए प्रेरित करती हैं। गोष्ठी में समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. अर्चना गौर, हिंदी के सहायक प्राध्यापक डॉ. कमलेश सिंह नेगी, समाजशास्त्र की सहायक प्राध्यापक डॉ. गीता चौहान, हिंदी की सहायक प्राध्यापक डॉ. सविता डेहरिया एवं अंग्रेजी विभाग से डॉ. मोनिका रघुवंशी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं मुस्कान खान एवं आरती अहिरवार सहित प्रतिभागियों द्वारा राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की प्रेरणादायी एवं राष्ट्रभावना से ओतप्रोत कविताओं का भावपूर्ण वाचन किया गया। कविता पाठ के माध्यम से उनकी रचनाओं में निहित राष्ट्रप्रेम, भारतीय संस्कृति, सामाजिक सरोकार एवं मानवीय मूल्यों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने मैथिलीशरण गुप्त के साहित्यिक अवदान पर चर्चा करते हुए उनके कृतित्व को हिंदी साहित्य की अमूल्य धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि गुप्त जी की रचनाएँ केवल साहित्यिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि उनमें तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों, राष्ट्रीय चेतना और भारतीय जीवन-मूल्यों का सशक्त प्रतिबिंब भी दिखाई देता है। विचार एवं काव्य गोष्ठी ने विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि, राष्ट्रप्रेम, सांस्कृतिक चेतना एवं साहित्यिक अभिरुचि को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं साहित्यिक दृष्टि से समृद्ध अनुभव रहा।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

इस महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग में शोधार्थी सौजन्य श्रीवास्तव द्वारा “Beneficiary Analysis of MSMEs in Terms of Entrepreneurship Development in Madhya Pradesh” विषय पर पीएच.डी. पूर्व प्रस्तुति सफलतापूर्वक संपन्न की गई। यह प्रस्तुति प्राचार्य एवं शोध निर्देशक प्रो. डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। इस अवसर पर शोधार्थी ने विषय से संबंधित शोध की रूपरेखा, प्रमुख बिंदुओं एवं निष्कर्षों को प्रस्तुत किया। महाविद्यालय परिवार की ओर से शोधार्थी सौजन्या श्रीवास्तव को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल शोध-भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित की गयीं।

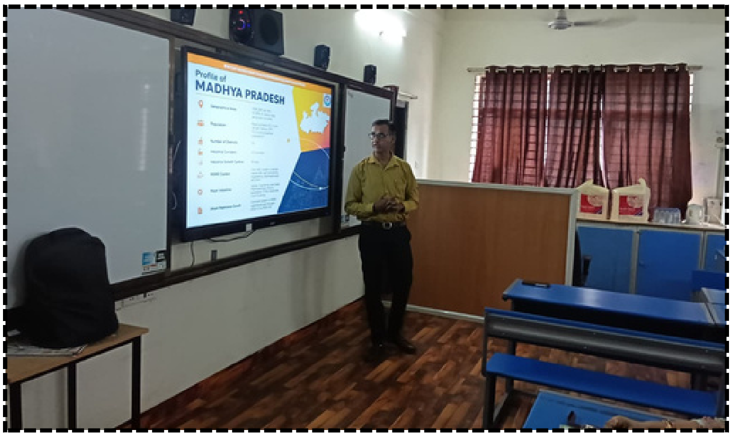

हर घर तिरंगा अभियान में महाविद्यालय की सहभागिता

दिनांक 09 अगस्त 2026 को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तात्या टोपे स्टेडियम, भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय की सक्रिय सहभागिता रही। महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति की भावना का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की ओर से वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय बाणकर एवं क्रीड़ा अधिकारी श्री जयंत सूर्यवंशी की सहभागिता एवं मार्गदर्शन भी रहा। विद्यार्थियों ने तिरंगा ध्वज के साथ कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए “हर घर तिरंगा, देश का सम्मान” के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति, एकता एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना देखने को मिली। महाविद्यालय के NSS एवं NCC विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने राष्ट्रीय अभियान को प्रभावी एवं प्रेरणादायी बनाया। हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्र के प्रति सम्मान, एकता और गौरव की सामूहिक अभिव्यक्ति है। इस अभियान में महाविद्यालय की सहभागिता विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही।

नक्सल मुक्त भारत’ पुस्तक विमोचन एवं परिचर्चा कार्यक्रम में महाविद्यालय की सहभागिता

दिनांक 11 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री निवास, भोपाल स्थित संवत हॉल में ‘नक्सल मुक्त भारत’ विषय पर पुस्तक विमोचन एवं परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक सुदीप्तो सेन की गरिमामयी उपस्थिति रही। महाविद्यालय की ओर से सात अधिकारियों ने सहभागिता कर राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, शांति एवं विकास के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। कार्यक्रम में नक्सलवाद के उन्मूलन, शांति, सुरक्षा एवं विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

नशामुक्त जागरूकता एवं प्रतिज्ञा कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 11 अगस्त 2026 को “10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान 2026” के अंतर्गत महाविद्यालय के डॉ. डी.वी. जैसवाल सभागार में नशा जागरूकता एवं प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्रह्माकुमारी बहनों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया तथा नशामुक्ति की शपथ एवं मेडिटेशन कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली, आत्मसंयम एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना रहा।

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 12 अगस्त 2026 को महाविद्यालय के पुस्तकालय में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन की गरिमामयी उपस्थिति में विद्यार्थियों को पुस्तकालय के महत्व एवं पठन-पाठन की संस्कृति के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग करने तथा ज्ञान एवं अध्ययन के लिए उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम लाभ उठाने का संदेश दिया गया।

हर घर तिरंगा अभियान : देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश

दिनांक 12 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई एवं खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में देशभक्ति कार्यक्रम एवं तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को तिरंगे के महत्व, गरिमा एवं राष्ट्र के प्रति नागरिक कर्तव्यों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक तिरंगा रैली में सहभागिता कर राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन के निर्देशन में संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

दिनांक 13 अगस्त 2026 इस महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई की गतिविधियों को अधिक प्रभावी एवं परिणाममूलक बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक प्राचार्य डॉ. संजय जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में प्राचार्य ने स्वयंसेवकों को युवा नेतृत्वकर्ता के रूप में कार्य करने तथा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर निरंतर गतिविधियां आयोजित करने का आह्वान किया। उन्होंने रासेयो की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए MY Bharat Portal एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। रासेयो समन्वयक डॉ. अनंत सक्सेना ने स्वयंसेवकों को निर्धारित गतिविधियां पूर्ण करने एवं C प्रमाण-पत्र परीक्षा की तैयारी समय से प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया। बैठक में कार्यक्रम अधिकारियों, पूर्व दलनायकों एवं स्वयंसेवकों ने सहभागिता कर आगामी गतिविधियों को प्रभावी बनाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक 15 अगस्त 2026 को महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गरिमामय ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं एवं राष्ट्रभक्ति गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ दीं। इन प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को देशप्रेम एवं राष्ट्रभक्ति की भावना से भर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, देशप्रेम, कर्तव्यबोध एवं राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।

शिक्षक सम्मान समारोह

दिनांक 18 अगस्त 2026 को अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा एवं शिक्षक सम्मान समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य को आयोजन में विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजन में सक्रिय भूमिका एवं विशेष योगदान के लिए डॉ. समता जैन, नोडल अधिकारी, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ को भी प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, संस्कार, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रहित के प्रति जागरूक किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर व्याख्यान कार्यक्रम

दिनांक 19 अगस्त 2026 को हिंदी विभाग एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में गोस्वामी तुलसीदास जयंती के अवसर पर डॉ. डी.वी. जैसवाल सभागार में व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. महेश शर्मा ने तुलसीदास के साहित्य में निहित भारतीय संस्कृति, नैतिकता, कर्तव्यबोध, सामाजिक समरसता एवं लोकमंगल जैसे जीवन-मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को तुलसी साहित्य को जीवन-मूल्यों से जोड़कर आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ज्ञानवर्धक एवं गरिमापूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भारतीय अक्षय ऊर्जा दिवस

दिनांक - 20 अगस्त 2026 को इस महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में भारतीय अक्षय ऊर्जा दिवस उत्साह एवं जागरूकतापूर्ण वातावरण में मनाया गया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. समता जैन एवं श्रीमती प्रीति जौहरी रहीं तथा संचालन डॉ. रूबी ताम्रकार ने किया। कार्यक्रम में प्रो. कीर्ति श्रीवास्तव, प्रो. सीमा श्रीवास्तव, प्रो. अर्चना शर्मा, प्रो. अनुराधा दुबे, प्रो. अर्चना जैन, श्रीमती चित्रा खरे एवं श्रीमती शालिनी तिवारी सहित महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ की सहभागिता रही। विद्यार्थियों द्वारा अक्षय ऊर्जा पर प्रेजेंटेशन एवं निबंध प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। प्राचार्य द्वारा ऊर्जा एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम NAAC Core Value–3 के अनुरूप पर्यावरणीय जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

श्रीमद्भगवद्गीता पर एक दिवसीय संगोष्ठी

दिनांक 21 अगस्त 2026 को पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ द्वारा “श्रीमद्भगवद्गीता” विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चिन्मय मिशन के स्वामी प्रबुद्धानंद जी ने गीता के कर्मयोग, आत्मसंतुष्टि, निष्काम कर्म एवं जीवन-दर्शन पर प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने स्वामी जी का शाल, श्रीफल एवं तुलसी पौधे से स्वागत करते हुए कहा कि बाबूलाल गौर जी प्रतिदिन गीता का स्वाध्याय करते थे और उनकी पुण्यतिथि पर गीता की शिक्षाओं से विद्यार्थियों को जीवन की नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, प्राचार्य, स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने बाबूलाल गौर जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार की सहभागिता से संगोष्ठी गरिमापूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुई।

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 21 अगस्त 2026 को महाविद्यालय की NCC यूनिट एवं 04 एम.पी. बटालियन द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न आपदाओं एवं आकस्मिक परिस्थितियों में स्वयं तथा दूसरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक जानकारी एवं व्यवहारिक कौशल प्रदान करने हेतु आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन में NCC अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. वर्षा चौहान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री कमलनाथ धुर्वे, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट SDERF भोपाल, श्री जे.एल. कोठारी, कंपनी कमांडर, श्री शरद यादव, प्लाटून कमांडर एवं नेशनल यूथ अवॉर्डी श्री शिवम मिश्रा उपस्थित रहे। SDERF टीम द्वारा विद्यार्थियों को बाढ़, भूकंप, आग, बिजली गिरने एवं गैस रिसाव जैसी आपदाओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार, CPR की सही तकनीक एवं आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित व्यवहार का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही LPG गैस सिलेंडर से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव एवं गैस रिसाव की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए आपदा की स्थिति में धैर्य, सजगता एवं त्वरित सहायता के महत्व को समझा। कार्यक्रम विद्यार्थियों को जागरूक, आत्मनिर्भर एवं आपदा-प्रबंधन के लिए सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

युवा संवाद कार्यक्रम

दिनांक 24 अगस्त 2026 को मध्यप्रदेश युवा आयोग द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में “युवा संवाद” कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महाविद्यालय के 50 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने किसानों की आय, भावांतर योजना, ड्रोन खेती, मधुमक्खी पालन एवं मशरूम उत्पादन जैसे विषयों पर प्रश्न किए , जिनका मुख्यमंत्री जी ने संवादात्मक ढंग से उत्तर देते हुए कृषि एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को युवा शक्ति, नवाचार, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित किया। महाविद्यालय की ओर से डॉ. संजय बाणकर प्रभारी , डॉ. गीता चौहान, डॉ. वर्षा चौहान, श्री जयंत सूर्यवंशी, डॉ. अनुराधा दुबे, श्रीमती शालिनी तिवारी, डॉ. कमलेश नेगी, श्री शिवम शुक्ला एवं डॉ. कैलाश ठाकरे उपस्थित रहे। विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों की सक्रिय एवं अनुशासित सहभागिता से कार्यक्रम सफल एवं प्रेरणादायी रहा।

राष्ट्रीय खेल दिवस

दिनांक 29 अगस्त 2026 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य महोदय द्वारा हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। प्राचार्य महोदय ने विद्यार्थियों को मेजर ध्यानचंद जी के अद्भुत खेल कौशल एवं देशप्रेम से परिचित कराते हुए खेल भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने शतरंज, टेबल टेनिस, बैडमिंटन एवं सॉफ्टबॉल सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. कमलेश सिंह नेगी ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का गरिमामय समापन हुआ।

सेवानिवृत्ति सम्मान एवं विदाई समारोह की स्मरणीय झलकियाँ

दिनांक 31 अगस्त 2026 को स्टाफ क्लब द्वारा महाविद्यालय में प्रयोगशाला तकनीशियन श्रीमती डाली खटवानी के सेवानिवृत्ति अवसर पर सम्मान एवं विदाई समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार द्वारा उनके दीर्घकालीन सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं सराहनीय योगदान के लिए आत्मीय सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उनके सेवाकाल की महत्वपूर्ण स्मृतियों एवं योगदान को याद करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता एवं शुभकामनाएँ व्यक्त की गईं। महाविद्यालय परिवार ने उनके स्वस्थ, सुखद, शांतिपूर्ण एवं मंगलमय भावी जीवन की हार्दिक कामना की। भावपूर्ण एवं आत्मीय वातावरण में आयोजित यह समारोह उनके सेवाकाल की स्मृतियों को संजोए हुए एक यादगार अवसर बना।

समाचार पत्रों से

स्वदेश ज्योति

स्वयंसेवक बनें समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक : प्राचार्य

स्वदेश ज्योति संवाददाता,भोपाल

बाबूलाल गौर स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल की राष्ट्रीय सेवा योजना संयुक्त इकाई सलाहकार समिति की बैठक गुरूवार को प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में आयोजित हुई। प्राचार्य ने स्वयंसेवकों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सडक़ सुरक्षा जैसे विषयों पर परिणाममूलक गतिविधियां संचालित करने तथा माय भारत पोर्टल एवं सोशल मीडिया के माध्यम से इस्स गतिविधियों को व्यापक पहचान दिलाने का आह्वान किया।

बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के एनएसएस समन्वयक डॉ. अनंत सक्सेना ने निर्धारित गतिविधियां पूर्ण कर चुके स्वयंसेवकों को सी प्रमाण-पत्र परीक्षा की तैयारी समय से प्रारंभ करने की सलाह दी। एनएसएस मुक्त इकाई के कार्यक्रम अधिकारी राहुल परिहार ने सोशल मीडिया के माध्यम से गतिविधियों के प्रचार-प्रसार तथा सभी स्वयंसेवकों का माय भारत पोर्टल पर पंजीयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में डॉ. कमलेश सिंह नेगी, डॉ. संजय बाणकर, डॉ. गीता चौहान, जयंत सूर्यवंशी, पूर्व दलनायक तेज सिंह ठाकुर सहित एनएसएस स्वयंसेवकों ने सहभागिता की और आगामी गतिविधियों को प्रभावी बनाने हेतु सुझाव दिए।

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
22082026 Bhopal Main - 22 Aug 2026 - Page 2

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के सुझाव सुने और उनके अनुभवों को जाना।

'श्रीमद भगवत गीता' विषय पर आयोजित हुई संगोष्ठी मे सस्वामी प्रबुद्धानंद बोले- गीता मनुष्य को आत्मसंतुष्टि और निष्काम कर्म का पढ़ाती है पाठ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय के बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ द्वारा 'श्रीमद भगवत गीता' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन चिन्मय मिशन के स्वामी प्रबोदद्धानंद के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

संगोष्ठी में वक्ताओं ने गीता के जीवन-दर्शन, कर्मयोग, आत्मसंतुष्टि तथा भारतीय संस्कृति में उसके महत्व पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने मुख्य वक्ता स्वामी प्रबुद्धानंद का शाल, श्रीफल और तुलसी पौधा गमला से स्वागत करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि बाबू जी प्रतिदिन गीता का स्वध्याय करते थे आज उनकी पुण्यतिथि पर श्रीमद भगवत गीता की शिक्षाओं को जान कर छात्र छात्राओं को जीवन की नई दिशा मिलेगी और वे ऊर्जावान बनेंगे। मुख्य वक्ता स्वामी प्रबुद्धानंद ने कहा कि गीता मनुष्य को आत्मसंतुष्टि और निष्काम कर्म का पाठ पढ़ाती है, हमें अपने शास्त्रों एवं ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए।

गीता के अध्ययन को जीवन का हिस्सा बनाएं

आज वैज्ञानिक जो आविष्कार कर रहे है, हमारे गौरवशाली इतिहास और संस्कृति में उसका उपयोग वर्षों पूर्व भि किए जाने का मिलता है, सफलता और संतुष्टी में अंतर होता है, दूसरों को जानने से पहले हमें स्वयं को जानना चाहिए, जीवन में प्राप्त फल को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना ही गीता का संदेश है। उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं ऋषि-मुनियों की परंपरा में विश्वास रखते हुए गीता के अध्ययन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन क्षितिज द्विवेदी ने किया। अंत में संगोष्ठी संयोजक डॉ. अनुपमा यादव ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गीता आत्मसंतुष्टि और निष्काम कर्म का संदेश देती है: स्वामी प्रबुद्धानंद

दीनबन्धु • संवाददाता
dinbandhunews.com

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय के बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ द्वारा श्रीमद भगवत गीता विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन चिन्मय मिशन के स्वामी प्रबोदद्धानंद जी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने गीता के जीवन-दर्शन, कर्मयोग, आत्मसंतुष्टि तथा भारतीय संस्कृति में उसके महत्व पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने मुख्य वक्ता स्वामी प्रबुद्धानंद जी का शाल ,श्रीफल और तुलसी पौधा गमला से स्वागत करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि बाबू जी प्रतिदिन गीता का स्वध्याय करते थे आज उनकी पुण्यतिथि पर श्रीमद भगवत गीता की शिक्षाओं को जान कर छात्र छात्राओं को जीवन की नई दिशा मिलेगी और वे ऊर्जावान बनेंगे मुख्य वक्ता स्वामी प्रबुद्धानंद जी ने कहा कि गीता मनुष्य को आत्मसंतुष्टि और निष्काम कर्म का पाठ पढ़ाती है , हमें अपने शास्त्रों एवं ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए,आज वैज्ञानिक जो आविष्कार कर रहे हैं ,हमारे गौरवशाली इतिहास और संस्कृति में उसका उपयोग वर्षों पूर्व भि किए जाने का मिलता है,सफलता और संतुष्टी में अंतर होता है,दूसरों को जानने से पहले हमें स्वयं को जानना चाहिए , जीवन में प्राप्त फल को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना ही गीता का संदेश है। उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं ऋषि-मुनियों की परंपरा में विश्वास रखते हुए गीता के अध्ययन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। संगोष्ठी के दौरान विद्यार्थियों एवं श्रोताओं कि जिज्ञासाओं का स्वामी जि द्वारा समाधान किया गया सभी अतिथियों, प्राचार्य, स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बाबूलाल गौर जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान राज्य अनुसूचित आयोग के सदस्य (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) बारे लाल अहिरवार, ब्रह्मचारिणी कात्यायनी चैतन्य आचार्य, चिन्मय मिशन भोपाल, श्री टी.आर. मिश्रा, जनभागिदारि सदस्य तेजसिंह ठाकुर, संजय कुंवर,अंशुल यादव,दर्शन सेन ,राजेन्द्र खंडेलवाल अध्यक्ष, जोन परिषद, नगर निगम भोपाल, डॉ. पी.सी. दुबे, अध्यक्ष, चिन्मय सेवा ट्रस्ट, इंदौर, डॉ. जे.पी. शुक्ला, मुख्य साइंटिफिक ऑफिसर, भोपाल, डॉ. कुलवंत कौर पांडे, उपाध्यक्ष, चिन्मय मिशन भोपाल तथा इंजीनियर सलिल नायक, अध्यक्ष, चिन्मय मिशन भोपाल सहित महाविद्यालय का शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बाबूलाल गौर पीजी कॉलेज में संगोष्ठी आयोजित

गीता सिखाती है आत्मसंतुष्टि, दिखाती है निष्काम कर्म का मार्ग: प्रबुद्धानंद

22.8.2026

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. बाबूलाल गौर पीजी कॉलेज में बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ की ओर श्रीमद्भगवद्गीता विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। चिन्मय मिशन के स्वामी प्रबुद्धानंद मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम में गीता के जीवन-दर्शन, कर्मयोग और भारतीय संस्कृति में उसके महत्व पर चर्चा की गई। स्वामी प्रबुद्धानंद ने कहा, गीता मनुष्य को आत्मसंतुष्टि और निष्काम कर्म का पाठ पढ़ाती है। सफलता और संतुष्टि में अंतर है। दूसरों को जानने से, पहले स्वयं को जानना जरूरी है। जीवन में मिलने वाले फल को स्वीकार कर निरंतर आगे बढ़ना गीता का संदेश है। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय संस्कृति और ऋषि-मुनियों की परंपरा को समझते हुए गीता को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। संगोष्ठी में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने कहा, बाबूलाल गौर प्रतिदिन गीता का स्वाध्याय करते थे। उनकी पुण्यतिथि पर गीता की शिक्षाओं से विद्यार्थियों को जीवन की नई दिशा मिलेगी।

गीता आत्मसंतुष्टि और निष्काम कर्म का पाठ पढ़ाती है: स्वामी प्रबुद्धानंद

भोपाल | पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर महाविद्यालय के बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ ने "श्रीमद भगवत गीता" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की। मुख्य अतिथि चिन्मय मिशन के स्वामी प्रबुद्धानंद ने कहा कि गीता आत्मसंतुष्टि और निष्काम कर्म का संदेश देती है। उनके अनुसार सफलता और संतुष्टि में अंतर होता है और दूसरों को जानने से पहले स्वयं को जानना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जीवन में प्राप्त फल को स्वीकार कर आगे बढ़ना ही गीता की सीख है। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने बताया कि बाबूलाल गौर प्रतिदिन गीता का स्वाध्याय करते थे और इस अवसर पर गीता की शिक्षाएं विद्यार्थियों को जीवन की नई दिशा दे सकती हैं।

गीता मनुष्य को आत्मसंतुष्टि और निष्काम कर्म का पाठ पढ़ाती है : स्वामी प्रबुद्धानंद

स्व. गौर की पुण्यतिथि पर श्रीमद भगवत गीता विषय पर संगोष्ठी आयोजित

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल।

[illegible]

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

[illegible]

गीता के अध्ययन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान

[illegible]

गीता आत्मसंतुष्टि और निष्काम कर्म का संदेश देती है, सफलता और संतुष्टी में अंतर होता है : स्वामी प्रबुद्धानंद जी

प्रदेश वर्तमान

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर महाविद्यालय के बाबूलाल गौर शोध समन्वय प्रकोष्ठ द्वारा 'श्रीमद भगवत गीता' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन चिन्मय मिशन के स्वामी प्रबोदद्धानंद जी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने गीता के जीवन-दर्शन, कर्मयोग, आत्मसंतुष्टि तथा भारतीय संस्कृति में उसके महत्व पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने मुख्य वक्ता स्वामी प्रबुद्धानंद जी का शाल ,श्रीफल और तुलसी पौधा गमला से स्वागत करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि बाबू जी प्रतिदिन गीता का स्वध्याय करते थे आज उनकी पुण्यतिथि पर श्रीमद भगवत गीता की शिक्षाओं को जान कर छात्र छात्राओं को जीवन की नई दिशा मिलेगी और वे ऊर्जावान बनेंगे मुख्य वक्ता स्वामी प्रबुद्धानंद जी ने कहा कि 'गीता मनुष्य को आत्मसंतुष्टि और निष्काम कर्म का पाठ पढ़ाती है , हमें अपने शास्त्रों एवं ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए,आज वैज्ञानिक जो आविष्कार कर रहे हैं ,हमारे गौरवशाली इतिहास और संस्कृति में उसका उपयोग वर्षों पूर्व भि किए जाने का मिलता है,सफलता और संतुष्टी में अंतर होता है,दूसरों को जानने से पहले हमें स्वयं को जानना चाहिए , जीवन में प्राप्त फल को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना ही गीता का संदेश है। उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं ऋषि-मुनियों की परंपरा में विश्वास रखते हुए गीता के अध्ययन को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

संगोष्ठी के दौरान विद्यार्थियों एवं श्रोताओं कि जिज्ञासाओं का स्वामी जि द्वारा समाधान किया गया सभी अतिथियों, प्राचार्य, स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय बाबूलाल गौर जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जनभागीदारी समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान राज्य अनुसूचित आयोग के सदस्य (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) माननिय श्री बारे लाल अहिरवार, ब्रह्मचारिणी कात्यायनी चैतन्य आचार्य, चिन्मय मिशन भोपाल, श्री टी.आर मिश्रा, जनभागिदारि सदस्य तेजसिंह ठाकुर,संजय कुंवर,अंशुल यादव,दर्शन सेन राजेन्द्र खंडेलवाल अध्यक्ष जोन परिषद, नगर निगम भोपाल, डॉ पी.सी. दुबे, अध्यक्ष, चिन्मय सेवा ट्रस्ट, इंदौर, डॉ. जे.पी. शुक्ला, मुख्य साइंटिफिक ऑफिसर, भोपाल, डॉ. कुलवंत कौर पांडे उपाध्यक्ष, चिन्मय मिशन भोपाल तथा इंजीनियर सलिल नायक, अध्यक्ष, चिन्मय मिशन भोपाल सहित महाविद्यालय का शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन क्षितिज द्विवेदी ने किया।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक हरीश कसेकर द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स एवं पब्लिशर प्लांट नंबर 26 बी देशबंधु पब्लिशर प्रेस काम्पलेक्स भोपाल म.प्र. से मुद्रित कर बी17 बी राजहर्ष कॉलोनी अकबरपुरा 'चूना
संपादक- हरीश कासेकर मो 9425010003, उप संपादक- अजीत सक्सेना मो. 9827315964, सहायक उपसंपादक - भारती लोधी मो.6265288308, कार्यालय दूरभाष-0755-4050606 (सभी विवादों

समाचार पत्रों से

हर खबर से आपका सीधा संपर्क
RNI:- MPHIN25/A2002
दैनिक संपर्क
वर्ष - 01 | अंक - 349 | भोपाल, शुक्रवार 21 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 08 | मूल्य - 01 रुपए

गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर बाबूलाल गौर महाविद्यालय में व्याख्यान आयोजितं

दैनिक संपर्क • भोपाल

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल, भोपाल में हिंदी विभाग एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में 19 अगस्त 2026 को डी.वी. जैसवाल सभागार में गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन के निर्देशानुसार संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. महेश शर्मा का स्वागत हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा जादौन ने किया। उन्होंने मुख्य वक्ता को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. महेश शर्मा ने गोस्वामी तुलसीदास के साहित्य पर केंद्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि तुलसीदास का साहित्य भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, लोकमंगल की भावना और मानवीय मूल्यों का सशक्त प्रतिनिधित्व करता है।

तुलसी का साहित्य व्यक्ति को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने, परस्पर प्रेम एव सौहाद्र की प्रेरणा देता है

कार्यक्रम में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा जादौन, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा, वनस्पति शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अनुराधा दुबे, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. शालिनी तिवारी, वाणिज्य विभाग की प्राध्यापक श्रीमती चित्रा खरे, समाजशास्त्र की सहायक प्राध्यापक डॉ. गीता चौहान, भौतिक शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. रूबी ताम्रकार, राजनीति शास्त्र की सहायक प्राध्यापक सुश्री सृष्टि तिवारी, जूलॉजी विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री कैलाश ठाकरे तथा अंग्रेजी विभाग की डॉ. मोनिका रघुवंशी सहित महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. सविता डेहरिया ने किया। उन्होंने तुलसीदास के साहित्य और भारतीय समाज पर उनके व्यापक प्रभाव को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संचालित किया।

कार्यक्रम के अंत में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. कमलेश सिंह नेगी ने उपस्थित मुख्य वक्ता, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तुलसी साहित्य भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों की समृद्ध परंपरा का महत्वपूर्ण वाहक है

कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की विवरणिकाएँ

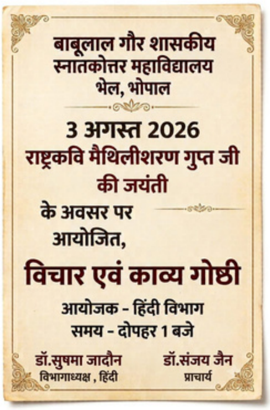

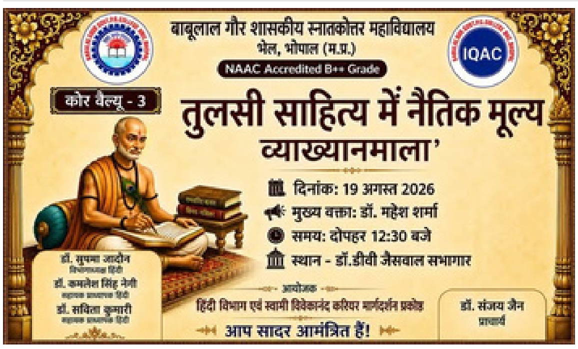

तुम्हीं ने मुझे संवारा है।.......

भटक रहा था अंधकार में,
राह मुझे न मिलती थी।
उलझन के उन सघन वनों में,
कोई किरण न खिलती थी।

संसार के इस कोलाहल में,
जब-जब यह मन हारा है,
हे आराध्य, हे महाकाल!
तुम ही ने मुझे सँवारा है।

अज्ञान के कठिन तम को हर ,
तुमने ज्ञान - दीप जलाया ,
भ्रमित कदम जब - जब डगमगाए ,
तुमने ही मार्ग दिखाया |

सिखलाया धैर्य कठिन घड़ियों में,
दिया सत्य का आधार, शांत,
सहेज और निश्छल मन का खोला
तुमने ही द्वार अहंकार,मोह और तृष्णा के
,

तुमने ही जाल काटे,
मेरे हर संशय को हरकर अनहद के सुख बाँटे |
जब - जब मन में पीड़ा जागी,
तुमने ही धीर बंधाया है ,

शिव बन तुमने संभाला मुझको,
गुरु बन बोध कराया है।
तुम ही मेरे परम मार्गदर्शक,
तुम ही अंतर के स्वामी, कहलाया हैं।

तेरे चरणों में ही अर्पित,
मेरी हर साँस अनुगामी।
इस बिखरे से जीवन को तुमने ही अर्थ दिया प्यारा हे
नीलकंठ, हे मेरे आराध्य तुम ही ने मुझे सँवारा है।

तुषार पांडे
बी.कॉम तृतीय सेमेस्टर

स्टूडेंट कॉर्नर

सभी नियमित विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य

सभी नियमित विद्यार्थियों को प्रतिदिन महाविद्यालय की निर्धारित ड्रेस में आना एवं महाविद्यालय से प्रदाय अधिकृत परिचय पत्र साथ में रखना अनिवार्य है ।

आगामी कार्यक्रम

- शिक्षक दिवस
- विश्व हिंदी दिवस
- ओजोन दिवस
- राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस
- विश्व पर्यटन दिवस

संपादक की पाती

‘ तरंग ’ का माह सितम्बर 2026 का अंक आपके हाथों में है। यह अंक आपको कैसा लगा, हमें अवश्य बताएँ । आपकी टिप्पणी / सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी । विद्यार्थी अपनी रचनाएँ, सुझाव, प्रतिक्रिया और उपलब्धि ‘स्टूडेंट कॉर्नर’ के लिये tarangnews2024@gmail.com पर मेल कर सकते हैं।

सौजन्य ई-न्यूजलेटर समितिः-

डॉ. सुषमा जादौन (संयोजक)

डॉ. वर्षा चौहान , डॉ. सविता डहेरिया

निशांत उपाध्याय (कम्प्यूटर वर्क)